647510 **BRSHinFC507B** **Seat No: _____**

B.R.S. Semester - 5 (CBCS) Examination

Oct/Nov. - 2018

HINDI LITERATURE AND LANGUAGE CORRECTION (FOUNDATION-7)

Time: 2:30 Hours **Marks: 70**

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न १ निम्नांकित प्रश्नो के उत्तर सुचनानुसार दीजिए। (१५)

शब्दसमुह के लिए एक शब्द दीजिए।

(1) जिसकी चार भुजाए है।
(2) जो सबकुछ जानता है वह्।
(3) जिसके आने की तिथि निशिच्यत न हो।
(4) जिसे ईश्वरमें विश्वास नहीं है।
(5) जिसका जन्म अपने जन्म से पहले हुआ हो।
(6) 'पर्वत' शब्द का समानार्थी शब्द दीजिए।
(7) 'पुत्री' शब्द का समार्नाथी शब्द दीजिए।
(8) 'अनुवाद' शब्द का समार्नाथी शब्द दीजिए।
(9) 'पक्षी' शब्द का समार्नाथी शब्द दीजिए।
(10) 'इडली' किस भाषा का शब्द है।
(11) 'तत्सम' शब्द का एक उदाहरण दीजिए।
(12) 'तद्भव' शब्द का एक उदाहरण दीजिए।
(13) 'वाल्मिकी' शब्द का शुद्ध रुप लीखिए।
(14) 'परिस्थती' शब्द का शुद्ध रुप लीखिए।
(15) 'अनुवादक' का कोई एक गुण लिखिए।

प्रश्न २ 'हिन्दी शब्द समूह' की विस्तृत चर्चा कीजिए। (१५)

अथवा

प्रश्न २ अनुवाद के प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न ३ निम्नांकित में से किन्ही तीन पर टिप्पणी लिखिए। (१५)

(१) काव्यानुवाद की समस्याएँ। (२) संक्षेपणकर्ता के गुण्।
(३) राष्ट्रीय एकता और हिन्दी। (४) अनुवाद की उपयोगिता। (५) अनुवाद के गुण ।

प्रश्न ४ हिन्दी शिक्षण पद हेतु आवेदन पत्र लिखिए। (१५)

अथवा

प्रश्न ४ राजपाड एन्ड सन्त दील्लीसे पुस्तक मंगाने हेतु पत्र लिखिए।

प्रश्न ५ निन्मांकित परिच्छेद का संक्षेपण कीजिए। (१०)

"स्वंतत्रता के बाद जो अपना सविंधान बना, उसके अनुसार स्त्री को पुरुष के समान राजनैतिक अधिकार प्राप्त है। उन्हे देश के महत्वपूर्ण कार्य-कमापो में भाग लेने की सवंतत्रता है। राजकार्य से सम्बंधित नीति ही राजनीति है। आज हरक्षेत्रेमें राजनीती प्रविष्ट है। आधुनिक नारियों का राजनीतिसे अच्छा परिचय है। आज कुछ नारियाँ चुनाव लडती है तो कुछ अलग-अलग पक्षो के समर्थन मे लग जाती है। बडे राजनीतिक दलों में नारी संगठन है। आज नारियाँ देश की सार्वजनिक गति विधियोमें भी भाग लेती है। पराधीनता जी श्रृंखला जो तोडने के लिए भी सहस्त्रो नारियोने राजनीतिक साझेदारी निभाईथी। महात्मा गांधीनेभी नारियों को राजनीतिमें जुडने का आग्रह किया था। नारियो का राजनीतिमें प्रवेश करना ही देश के लिए कल्याण्कारी होगा। नारियों की सक्रिय भागीदारी से राजनीति में गुणात्मक परिवर्तन आयेगा।"

अथवा

निम्ननाकिंत परिच्छेद का गुजरातीमें अनुवाद कीजिए।

"गहनों का मरज न जाने इस दरिद्र देश में कैसे फेल गया। जिन लोगो को भोजन का ठिकाना नही, वे भी गहनों के पीछे प्राण देते है। हर साल अरबो रुपये केवल सोना-चांदी खरीदनेमें व्यय हो जाते हैं। संसार के कीसी देश में इन धातुओकी इतनी खपत नही। तो बात क्या है? उन्नत देशों में धन, व्यापार में लगता है, जिससे लोगो की परवरिश होती है और धन बठता है। यहाँ धन श्रृंगार में खर्च होता है, उससे उन्नति और उपचार की जो शक्तियाँ है, उन दोनो का ही अन्त हो जाता है। बस यही समज लो की जिस देश में लोगो जितने मूर्ख होंगे, जेवरों का प्रचारभी उतना ही अधिक होंगा।''

-प्रेमचन्द

****